हनुमान चालीसा

दोहा

श्री गुरु चरण सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधारि|
बरनंऊ रघुबर बिमल जसु, जो दयाका फल चारि||
बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन कुमार|
बुद्धि विधि देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार ||

चालीसा

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर| जय कपीस तिहुं लोक उजागर ||
रामदूत अतुलित बल धामा| अंजनि पुत्र पवन सुत नामा ||
महावीर विक्रम बज्रंगी | कुमति निवार सुमति के संगी ||
कंचन बरन विराज सुवेसा | कानन कुंण्डल कुंचित केसा ||
हाथ बज्र और ध्वजा बिराजै | कांधे मूंज जनेऊ साजै ||
शंकर सुवन केसरी नंदन | तेज प्रताप महा जगबंधन ||
विद्यावान गुनी अति चातुर | राम काज करिबे को आतुर ||
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया | राम लखन सीता मन बसिया ||
सूक्ष्म रूप धरी सियहिं दिखावा | विकट रूप धरि लंक जरावा ||
भीम रूप धरि असुर संहारे | रामचंद्र जी के काज संवारे ||
लाये संजीवन लखन जियाये | श्रीरघुवीर हरषि उर लाये ||
रघुपति कीन्हीं बहुत बड़ाई | तुम मम प्रिय भरत सम भाई ||
सहस बदन तुम्हरो यश गावे | अस कहि श्रीपति कंठ लगावे ||
सनकादिक ब्रह्मादिक मुनीसा | नारद सारद सहित अहीसा ||
जम कुबेर दिक्पाल जहां ते | कवि कोविद कहि सके कहां ते ||
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा | राम मिलाये राज पद दीन्हा ||
तुम्हरो मंत्र विभीषन माना | लंकेश्वर भये सब जग जाना ||
जुग सहस्त्र योजन पर भानू | लील्यो ताहि मधुर फल जानू ||
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहि| जलधि लांघि गए अचरज नाहीं ||
दुर्गम काज जगत के जेते | सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ||
राम दुआरे तुम रखवारे | होत न आज्ञा बिनु पैसारे ||
सब सुख लहै तुम्हरे सरना | तुम रक्षक काहू को डरना ||
आपन तेज सम्हारो आपै | तीनों लोक हांक ते कांपै ||
भूत पिशाच निकट नहिं आवै | महावीर जब नाम सुनावै ||
नासै रोग हरै सब पीरा | जपत निरंतर हनुमत बीरा ||
संकट ते हनुमान छुड़ावे | मन क्रम वचन ध्यान जो लावै ||
सब पर राम तपस्वी राजा | तिन के काज सकल तुम साजा ||
और मनोरथ जो कोई लावे | सोई अमित जीवन फल पावै ||
चारो जुग प्रताप तुम्हारा | है प्रसिद्ध जगत उजियारा ||
साधु संत के तुम रखवारे | असुर निकंदन राम दुलारे ||
अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता | अस वर दीन जानकी माता ||
राम रसायन तुम्हरे पासा | सदा रहो रघुपति के दासा ||
तुम्हरे भजन राम को पावै | जनम जनम के दुःख बिसरावै ||
अंत काल रघुबर पुर जाई | जहां जनम हरि भक्त कहाई ||
और देवता चित न धरई | हनुमत सेइ सर्व सुख करई ||
संकट कटै मिटै सब पीरा | जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ||
जय जय जय हनु [illegible] गुरु देव की नाई ||

Be with God
Holy Drops

जो शत बार पाठ कर कोई |छूटहि बंदि महा सुख होई ||
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा | होय सद्धि साखी गौरीसा ||
तुलसीदास सदा हरि चेरा | कीजेये नाथ हृदय महं डेरा ||

दोहा
पवन तनय संकट हरन मंगल मूरति रूप |
राम लखन सीता सहति हृदय बसहु सुरभूप ||